डॉ. उमाशंकर उपाध्याय
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
पुणे विद्यापीठ, गणेशखिंड,
पुणे-४११ ००७
दूरभाष : ३३६०६१/२७
तार : युनिपूना

आवास : एच–२, शिक्षक निवास,
पुणे विद्यापीठ,
गणेशखिंड, पुणे-४११ ००७.

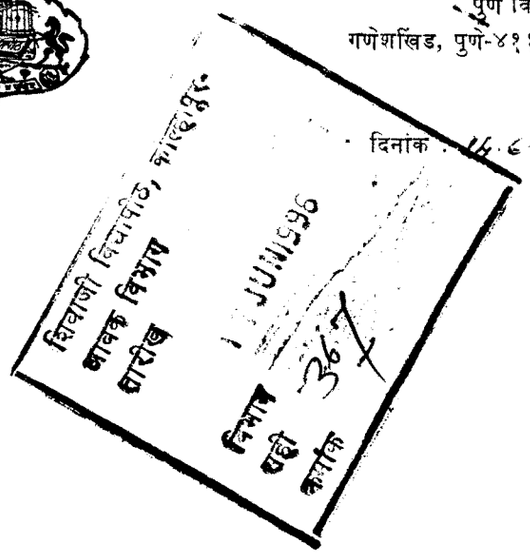

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर.
आवक विभाग
तारीख JUN 1996
निबंध
पत्री
क्रमांक 367

दिनांक : 14.6.96

क्रमांक

To
The Asst. Registrar
Shivaji University
Kolhapur

Ref : SU/PG/M.Phil dated 27.5.96

Sir,

With reference to your letter cited above please find herewith the copy of the M.Phil dissertation entitled "निराला के अपरा काव्य-संकलन की प्रमुख प्रवृत्तियाँ" sent to me for evaluation. The report, the statement showing Marks/Grades at the M.Phil exam and the duly filled Honorarium bill form are being despatched separately.

Thanking you.

Yours sincerely
(U.S. Upadhyay)

महाप्राण महाकवि युगाराध्य
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

सन् १८९७ - सन्- १९६१

"जानता हूँ नदी, झरने
जो मुझे थे पार करने
कर चुका हूँ, हँस रहा यह देख
कोई नहीं मेला ,,

प्रा.डॉ. सौ.शशिप्रभा जैन,
एम.ए. [हिन्दी], एम.ए. [समाजशास्त्र]
पी.एच.डी.
प्रपाठक एवं हिन्दी विभाग प्रमुख
महावीर महाविद्यालय,
कोल्हापुर.

** प्रमाणपत्र **

मैं यह प्रमाणित करती हूँ कि, श्री. राजेंद्र लहू पाटील ने मेरे निर्देशन में यह लघु शोध प्रबन्ध एम.फिल. उपाधि के लिए लिखा है। पूर्व योजनानुसार यह कार्य सम्पन्न हुआ है। जो लक्ष्य इस प्रबन्ध में प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं।

निर्देशिका,
हिन्दी विभाग प्रमुख,
महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर.

— परीक्षणार्थ अग्रेषित

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - ४१६००४

शिवाजी विश्वविद्यालय (हिन्दी विभाग) कोल्हापुर